

# नवभारत

enavabharat.com

#कोरोना विषाणु

#IND vs ENG

#WB Election 2021

#वायरल

#Women's Day 2021

राशिफल

संपादकीय

ब्रेकिंग न्यूज | मीडिया से डर कर येदियुरप्पा सरकार के 6 मंत्री पहुंचे अदालत

होम » देश

A- A+

Advertisement

देश Published: March 2, 2021 06:16 PM

## Clean India | IIT दिल्ली ने ई-कचरा को रिसाइकिल करने के लिए निकाली नई तकनीक



Mrinal Pathak

रिपोर्टर | नवभारत.कॉम

### ट्रेंडिंग न्यूज



**Ram Mandir** | 70  
का नहीं अब 107  
एकड़ का होगा राम



**Commanders  
Conference**

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. More Information. OK



Pic Credit: Google

## -सेजल मिश्रा

देश में जैसे-जैसे डिजिटलाइज़ेशन (Digitalisation) बढ़ा है, उसी अनुपात में ई-कचरा (E-Waste) भी बढ़ा है। इसकी उत्पत्ति के प्रमुख कारकों में तकनीक (Technology) तथा मनुष्य की जीवन शैली में आने वाले बदलाव शामिल हैं। कंप्यूटर तथा उससे संबंधित अन्य उपकरण तथा टी.वी., वाशिंग मशीन व फ्रिज जैसे घरेलू उपकरण और कैमरे, मोबाइल फोन तथा उनसे जुड़े अन्य उत्पाद जब चलन/उपयोग से बाहर हो जाते हैं तो इन्हें संयुक्त रूप से ई-कचरे की संज्ञा दी जाती है। आईआईटी दिल्ली (IIT Delhi) के वैज्ञानिकों ने ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसके माध्यम से ई-कचरे का कुशल प्रबंधन किया जा सकेगा, साथ ही रिसाइकिल करके उसका फिर से इस्तेमाल करना संभव होगा। आईआईटी के वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तकनीक स्मार्ट सिटीज (Smart Cities), स्वच्छ भारत अभियान (Swaccha Bharat Abhiyan) और आत्मनिर्भर भारत (Aatma Nirbhar Bharat) लिहाज से पूर्णतः अनुकूल होगी। इस तकनीक को आईआईटी दिल्ली के केमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर के.के.पंत ने शोधकर्ताओं के साथ मिलकर विकसित किया है।



### Corona

कोरोना का विस्फोट,



### IT Raid प्रतिक्रिया

टैक्स चोरी के आरोपों पर तापसी पन्नू ने



### Airbag Compulsory

अब आपकी सुरक्षा के

Advertisement

Advertisement

सरकार की ओर से उपलब्ध किए गए आँकड़ों के अनुसार भारत में उत्पादित ई-कचरा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमान से काफी कम है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर, 2017 (Global E-Waste Monitor, 2017) के अनुसार भारत प्रतिवर्ष लगभग 2 मिलियन टन (2 Million Tonne) ई-कचरे उत्पन्न करता है तथा अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-कचरा उत्पादक देशों में यह 5वें स्थान पर है। भारत के अधिकांश ई-कचरे का पुनर्नवीनीकरण (Recycled) देश के अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय (Union Ministry of Environment) की वर्ष 2018 की एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में ई-कचरे के पुनर्नवीनीकरण की स्थिति बिल्कुल अच्छी नहीं है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट 2020 (Global E-Waste Monitor Report, 2020) के अनुसार, 2019 में वैश्विक स्तर पर 53.7 मिलियन मीट्रिक टन कचरे का उत्पादन हुआ था। इसके साथ ही 2030 में इसके 74.7 मिलियन मीट्रिक टन होने की आशंका है।

का हस्तक्षेप एक सुनियोजित साजिस?

- ☐ हां
- ☐ नहीं

Vote

View Results

Advertisement

यह भी पढ़ें

10वीं पास लोग बिना परीक्षा दिए पा सकते हैं रेलवे में जॉब, 2500 से भी ज्यादा हैं वैकेंसी- ऐसे करें अप्लाई

तीन प्रक्रियाओं पायरोलाइसिस, परेशन ऑफ मेटल फ्रेक्शन और रिकवरी ऑफ इंडीविजुअल मेटल से होगा काम

प्रोफेसर पंत का कहना है कि ई-वेस्ट को अर्बन माइन (Urban Mine) भी समझा जा सकता है। इससे मेटल रिकवरी (Metal

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. More Information.

OK

**न** देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |

पहला इ-वस्ट का पायरोलाइसिस (Pyrolysis) किया जाता है, जो ताप-अपघटन-पदार्थ को गर्म करके अलग-अलग पदार्थों में विभाजित करने की प्रक्रिया है। यह 'तापीय अपघटन' (Thermal Decomposition) भी कहा जाता है। उदाहरण के लिए, यदि कैल्शियम कार्बोनेट को गर्म किया जाए, तो कैल्शियम कार्बोनेट कैल्शियम ऑक्साइड में टूट जाता है और इससे कार्बन डाइऑक्साइड विमुक्त होती है। दूसरा सेपरेशन ऑफ़ मेटल फ़्रेक्शन (Separation Of Metal ) और तीसरा रिकवरी ऑफ़ इंडिविजुअल मेटल (Recovery Of Individual Metal)। सबसे पहले ई-कचरे से तरल और गैसीय ईंधन प्राप्त करने के लिए उसे पायरोलाइज्ड किया जाता है। इसके बाद एक तकनीक का प्रयोग कर 90 से 95 फीसद मेटल मिक्चर और कुछ कार्बनयुक्त मैटीरियल निकलते हैं। कार्बनयुक्त मैटीरियल को एयरोजेल (Aerogel) में बदला जाता है। इसका उपयोग छलके हुए तेल की सफाई, डाई रिमूवल और सुपरकैपेसिटर में किया जाता है।

## नई तकनीक से ई-वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट भी हो सकेंगे रिसाइकिल

प्रोफेसर पंत ने आगे बताया कि अगले चरण में कम तापमान की रोस्टिंग तकनीक (Roasting Technique) का प्रयोग कर इंडिविजुअल मेटल, जैसे कॉपर, निकिल, लेड, जिंक, सिल्वर और सोने को रिकवर किया जाता है। इससे 93 फीसद कॉपर, सौ फीसद निकिल, सौ फीसद जिंक, सौ फीसद लेड और 50 फीसद तक गोल्ड और सिल्वर को रिकवर किया जाता है। इसमें से किसी भी तरह के हानिकारक तत्वों से वातावरण (Environment) को कोई नुकसान नहीं होता। इस नई

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. [More Information.](#)

OK

**न** देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |  
वस्ट (Plastic Waste) का भा रसाइकल किया जा सकगा।

Published: March 2, 2021 06:16 PM Updated: March 2, 2021 06:16 PM

टॉपिक: टेक्नॉलजी देश

## Comments

0 Comments

Sort by [



Add a comment...

Facebook Comments plugin

न

देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |

घुटनो के दर्द को कहे अलविदा हमेशा के लिए Order Now

Sheopals | Sponsored

Luxury 3 & 4 BHK Apartments at Gurgaon, from ₹  
3.58 Cr\* (Excluding taxes)

Mahindra Luminare, Gurgaon | Sponsored

A Day In The Life Of A Caregiver - Living with...

Our Better World | Sponsored

भारत का नं 1 तेल जो बालों को फिर से एक हफ्ते में उगाता है

Sheopals | Sponsored

Summer Special sale is Live. Flat 25% Off on...

Wakefit | Sponsored

होम » वायरल

A- A+

वायरल

Published: March 02, 2021 06:15 PM

# बना डाला ऐसा घर देखकर उड़ गए सब के होश, जमकर हो रही है तारीफ



Mrinal Pathak

कंटेन्ट राइटर | नवभारत.कॉम



हमें कभी न कभी न एक बार ज़रूर ऑटो (Autorickshaw) में ट्रेवल (Travel) ज़रूर किया होगा। वहीं कई लोग ऑटो में सोते हुए भी नज़र आ ही जाते हैं, अक्सर ऑटो चालक (Autorickshaw Driver) को हम देखते हैं कि वह थककर ऑटो में ही सो जाते हैं, लेकिन क्या कभी अपने किसी ऐसे को देखा है, जिसने ऑटो में ही एक आशियाना बना लिया हो।

यह सुनकर आपको हैरानी ज़रूर हो रही होगी, लेकिन यह सच है। अरुण प्रभु नाम के एक शख्स ने अपने ऑटो (Autorickshaw) को एक शानदार घर (Home) में बदल

न

देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |

(Businessman Anand Mahindra) भा अरुण का इस शानदार कला के दीवाने हो गए हैं।



anand mahindra

@anandmahindra

Apparently Arun did this to demonstrate the power of small spaces. But he was also on to a larger trend: potential post-pandemic wanderlust & desire to be 'always mobile.' I'd like to ask if he'll design an even more ambitious space atop a Bolero pickup. Can someone connect us?



Massimo Canducci

@mcanducci

. @WeekendInvestng: 'Arun prabhu of Chennai built this "0.1" house with 1 lac ruppes and an auto.

@anandmahindra

#india #innovation

#IncredibleIndia', see more [tweeterdimes.com/v/22464?s](https://tweeterdimes.com/v/22464?s)

11:35 पूर्वाह्न · 27 फ़र° 2021

5.4 हज़ार

Twitter पर COVID-19 के संबंधित ताज़ा जान

यह भी पढ़ें

अगर घर खरीदने का है सपना तो हो जाएं तैयार, यहां मिल

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. [More Information.](#)

OK



न देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन ब्लॉग |

आनंद महिंद्रा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा है कि, 'अरुण ने इस शानदार इन्वेंशन के ज़रिए कम स्पेस की पावर को दिखाया है। अगर अरुण बोलेरो पिकअप (Bolero pickup) के टॉप पर ऐसा कारनामा करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से उन्हें अरुण से कनेक्ट करने की भी बात कही है।" इस तस्वीर को सोशल एम्डिया पर बहुत लाइक किया जा रहा है।

Published: March 02, 2021 06:15 PM Updated: March 02, 2021 06:15 PM

टॉपिक: देश वायरल

## Comments

0 Comments

Sort by [



Add a comment...

Facebook Comments plugin

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. [More Information.](#)

OK

न

देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |

## Move into Ready 3/4 BHK Homes, Gurgaon @ ₹1.27 CR (all incl.)

Bestech Park View Sanskruti, Gurgaon | Sponsored

## The cost of hearing aids in Delhi might surprise...

Hear.com | Sponsored

## Coding Classes For Age 6-18 by IIT/ Harvard...

CampK12 | Sponsored

## नंबर #1 फार्मूला बालो को वापस उगाने का

Mool Hair Grow | Sponsored

## Seeking help, this caregiver to her schizophrenia son finds support

Our Better World | Sponsored

### खबरें एक झलक में

मुख पृष्ठ देश विदेश राज्य मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ दिल्ली ओडिशा गुजरात महाराष्ट्र अन्य राज्य एजुकेशन ब्लॉग नवभारत विशेष

### राज्यों से स्थानीय खबरे

भोपाल अकोला अमरावती गडचिरोली गोंदिया चंद्रपुर ठाणे नागपुर नासिक औरंगाबाद कोल्हापुर जलगांव अहमदनगर पुणे  
We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. More Information. OK

न

देश | विदेश | राज्य | खेल | मनोरंजन | लाइफस्टाइल | ऑटोमोबाइल | बिज़नेस | टेक्नॉलजी | एजुकेशन | ब्लॉग |

[खेल](#) [फुटबॉल](#) [टेनिस](#) [क्रिकेट](#) [हॉकी](#) [अन्य खेल](#)

## बिज़नेस समाचार

[बिज़नेस](#) [मार्केट्स](#) [इकॉनमी](#) [कॉरपोरेट जगत](#) [जॉब्स](#)

## मनोरंजन समाचार

[मनोरंजन](#) [बॉलीवुड](#) [हॉलीवुड](#) [सेलिब्रिटी](#) [मूवीज़](#) [टेलीविजन](#)

## लाइफस्टाइल समाचार

[लाइफस्टाइल](#) [वास्तु-ज्योतिष](#) [हेल्थ](#) [फैशन - ब्यूटी](#) [पर्यटन](#) [धर्म-अध्यात्म](#) [खाना खजाना](#) [रिश्ते - नाते](#)

## टेक्नॉलजी समाचार

[टेक्नॉलजी](#) [विज्ञान](#) [गैजेट](#) [मोबाइल](#) [इंटरनेट](#)

## गैलरी

[गैलरी](#) [फोटो](#) [वीडियो](#) [कार्टून](#)

## ऑटोमोबाइल समाचार

[ऑटोमोबाइल](#) [कार](#) [बाइक्स](#)

नवभारत

नवराष्ट्र

[Privacy](#) | [Terms and condition](#) | [RSS](#) | [Topics](#) | [Disclaimer](#) | [About](#) | [Our Authors](#) | [Advertise](#) | [Feedback](#) | [Contact](#)

Copyright © Navabharat Press 2021. All rights reserved.

We use cookies on our website to provide you with the best possible user experience. By continuing to use our website or services, you agree to their use. [More Information.](#)

OK